3 कभी-कभी मेरा दिल इन सब चीज़ों को देखने के लिए मचल उठता है। अगर मुझे इन चीज़ों को सिर्फ़ छूने भर से इतनी खुशी मिलती है, तो उनकी सुंदरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध ही हो जाएगा। परंतु, जिन लोगों की आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं। इस दुनिया के अलग-अलग सुंदर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता। वह हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है।

(पृष्ठ 81)

प्रश्न–

(क) लेखिका का मन किसलिए मचल उठता है? उसका मन कब मुग्ध हो जाता?

(ख) लेखिका ने यह क्यों कहा है कि जिन लोगों की आँखें हैं वे सचमुच बहुत कम देखते हैं?

(ग) मनुष्य किसकी आस लगाए रहता है?

उत्तर–(क) लेखिका जिन चीज़ों का आनंद छूकर लेती है कई बार उन्हें देखने हेतु उसका मन मचल उठता। यदि वह उन चीज़ों को देख पाती तो उसका मन मुग्ध हो जाता।

(ख) इस दुनिया में बहुत-सी सुंदर चीज़ें हैं। पर बहुत-से लोग आँख होते हुए भी उनकी ओर बहुत कम देखते हैं। उनमें प्रकृति की विभिन्न चीज़ों की सुंदरता को देखने में रुचि ही नहीं होती।

(ग) मनुष्य के पास जो कुछ है, उसकी ओर वह ध्यान नहीं देता। वह उसकी आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है।

4. प्रश्न-अभ्यास

(पृष्ठ 82-85)

निबंध से

प्रश्न 1. 'जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं'–**हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था?**

उत्तर–हेलेन केलर की एक प्रिय मित्र जंगल की सैर करने गईं। सैर करने के बाद जब वह घर लौटीं तो हेलेन केलर ने उनसे पूछा–आपने क्या-क्या देखा है? वह बोलीं कोई खास चीज़ नहीं देखी। अपनी मित्र से यह सुन उसे लगा कि जिन लोगों के पास आँखें हैं वे सचमुच बहुत कम देखते हैं।

प्रश्न 2. **'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है?**

उत्तर–प्रकृति विभिन्न चीज़ों का खज़ाना है। भोजपत्र के पेड़ की चिकनी छाल, चीड़ की खुरदरी छाल, वसंत में नई कलियों का खिलना, फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह को प्रकृति का जादू कहा गया है।

प्रश्न 3. 'कुछ खास तो नहीं'–**हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों नहीं हुआ?**

उत्तर–हेलेन की मित्र जब जंगल की सैर करके लौटी तो हेलेन के पूछने पर कि उसने जंगल में क्या-क्या देखा? उसकी मित्र ने कहा कि उसने जंगल में कुछ खास नहीं देखा। यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य नहीं हुआ क्योंकि वे लोगों के इसी प्रकार के उत्तरों की आदी हो चुकी थीं। उन्हें विश्वास था कि लोग आँखें होते हुए भी बहुत कम देखते हैं। वे प्रकृति की सुंदरता को देखकर भी उसका अनुभव नहीं करते।

प्रश्न 4. **हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं? पाठ के आधार पर इसका उत्तर लिखो।**

उत्तर–हेलेन केलर भोजपत्र के पेड़ की चिकनी छाल, चीड़ की खुरदरी छाल, फूलों की मखमली सतह और

उनकी घुमावदार बनावट को छूकर तथा चिड़िया के मधुर स्वर को सुनकर पहचान लेती थीं।

प्रश्न 5. 'जबकि इस नियामत से ज़िंदगी को खुशियों के इन्द्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है।'–**तुम्हारी नज़र में इसका क्या अर्थ हो सकता है?**

उत्तर–दृष्टि बहुत बड़ी नियामत है। इसकी सहायता से हम जीवन को खुशियों से भर सकते हैं। दृष्टि एक साधारण वस्तु नहीं। यह तो ईश्वर की बहुमूल्य देन है। इससे हम जीवन को आनंदमय बना सकते हैं। हम इससे जीवन में अनेक प्रकार की खुशियाँ ला सकते हैं और अपने आसपास के सुंदर-सुंदर नज़ारों को देख सकते हैं।